









## न्यूज ब्रीफ

घर से महिला लापता

पुत्र ने दी तहरीर

सरेनी, रायबरेली। समवार को अचानक घर से बाहरों के लापता होता है पर दें तो थोड़ा में तहरीर दी है। तहरीर पर पुलिस ने उमुशुदीरी दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के पैथेंग लाल मजरे उत्सुक था। एक बाल यादव दिना (52) पर नीला गांव की लाल यादव को अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों ने महिला की खोजीवानी की लेकिन वह नहीं मिली। परिजनों ने बताया कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ है। दें सोनु की तहरीर पर पुलिस ने उमुशुदीरी दर्ज कर लिया है।

छापेमारी कर मेडिकल

स्टोर किया सीज

रायबरेली, अमृत विचार। इन्होंने ने मिल एरिया थाना क्षेत्र के कल्नू का पुरावा में छापेमारी करके मेडिकल स्टोर को सीज कर दिया है। उहाँने बताया कि मेडिकल स्टोर के लाल यादव पर एक लाल यादव को अरोप लाया गया था। कई बार उल्लेख के बाद भी वह नहीं आए तब यह कार्रवाई की गई।

आठ किलो गांजा के साथ तीन को पकड़ा

रायबरेली, अमृत विचार। शहर की ओर से पुलिस ने आठ किलो गांजा के साथ तीन लोगों को पकड़ा है। कोवाल शिवशकर सिंह ने बताया कि वाहां थेंग के दीरान इन लोगों को पकड़ा गया है। पकड़े गये अनुज पुत्र लाल बहादुर निवासी यासवाम कोटोरा बहुदुर्ज, जयकिशन उर्फ चमन पुत्र कृष्ण राम निवासी पूरे अर्थोंया नाना ऊंदुहार, रामतालक पुत्र गणगाराम निवासी फुरुखाबाद चिल्लावा थाना सरेनी नगर जिला लखनऊ के खिलाफ मामला पंचीकृत करते हुए जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

## मुड़िया डीह शक्ति पीठ के दंगल में केसरी बने काली

धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव शील पर पहलवान नरेश का कब्जा

बछरावा, रायबरेली

अमृत विचार। क्षेत्र के प्रसिद्ध मुड़िया डीह आश्रम चामुंडा शक्ति पीठ पठान गांव में समवार को बिजली की दृश्यमान प्रकाश में डे-नाइट 26वां प्रदेश स्तरीय दंगल आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी हर्षिता माथार और विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह रहे। दंगल में इटौंजा के राजा भानु प्रताप सिंह की स्मृति में पालिन चैलेंज कुशी में शामली के पहलवान काली ने कानपुर के पहलवान संजू को शिकस्त देकर दंगल केसरी बने।

राकेश ने बाजी मारी। मिशन शक्ति अधियान के तहत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आधा दंजन महिला पहलवानों के बीच मुकाबला करने के लिए आधा दंजन महिला पहलवानों के प्रति सिंह की स्मृति में जंजाब के पहलवान नरेश ने इटौंजा के गोलू यादव को पटखनी दी। हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव की स्मृति में उत्तराखण्ड के पहलवान शावेज और नीरु सिंह की स्मृति में जम्मू कश्मीर के पहलवान



जीत के लिए जोर-आजमाइश करते पहलवाल।

अमृत विचार

के प्रयास की सारहान की। संचालन शिक्षक प्रवेश यादव, नीरज चौरसिया, जय किशन कनौजिया, हांगा लाल यादव, जबकि निर्णायक सुरेन्द्र नाथ पाठक रहे। इस मौके पर राधवेंद्र प्रताप सिंह, विद्युत पहलवान पूनम ने गाजियाबाद की अद्यता यादेंग के उपाध्यक्ष डीके सिंह, एसडीएम गौतम सिंह, सीओ प्रदीप कुमार, नापाप अध्यक्ष शरोहन सोनकर, सपा के प्रदेश सचिव शशिकांत शर्मा, सौरभ राजन पीठ के महत्व कृष्णानंद जो महाराज आदि मौजूद रहे।

## दिव्यांग बच्चों के बनाए गए प्रमाण पत्र

महराजगंज, रायबरेली। मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्भूत समेकित शिक्षा विभाग के अंतर्भूत चमन पुत्र कृष्ण राम निवासी पूरे अर्थोंया नाना ऊंदुहार, रामतालक पुत्र गणगाराम निवासी फुरुखाबाद चिल्लावा थाना सरेनी नगर जिला लखनऊ के खिलाफ मामला पंचीकृत करते हुए जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों का रेफर किया गया। मेडिकल कैम्प में परीक्षण किया गया। डॉ. एम्पी कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. चौधरी, सिंह और डॉ. निदा की टीम ने इन बच्चों का गहन परीक्षण किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाना था। कैम्प में विकास क्षेत्र

के स्कूलों से आए अस्थि दिव्यांग, शेष 44 बच्चों को आगे के परीक्षण और प्रमाण पत्र बनाने हेतु एस्म मूक रस्ते सहित विभ

## न्यूज ब्रीफ

नवागंतुक सीडीओने

संभाला कार्यभार

रायबरेली, अमृत विचार। नवागंतुक

आईएसपी मुख्य विकास अधिकारी

अंजुलता ने

मंगलवार को

विकास भवन

में कार्यालय

में कार्यालय

कर्पोरेशन ग्रहण

कर लिया है। इस

दौरान उहोने कई विपाकों का निरीक्षण

किया। सीडीओ ने विकास भवन

परिसर में फैली गद्दी को देख नराज

हुई। उहोने परिसर को साथ-सुधरा

रखने के निर्देश दिए।

एक्युप्रेशर चिकित्सा

शिविर संपन्न

रायबरेली, अमृत विचार। रिफार्म लव

परिसर में मंगलवार को एक्युप्रेशर

चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

गया। शिविर में आगे दुरु रोगियों

का दबाव देकर उत्तरावर किया गया।

डॉ. भगवन्दीन यादव ने बताया कि

एक्युप्रेशर चिकित्सा प्रदान से जटिल

से जटिल रोगों का उत्तरावर किया जाना

संभव है। उहोने बताया कि यहां पर

आने वाले रोगियों को स्वस्थ रहने के

उपाय भी बताये गए।

कृषि यंत्रों पर अनुदान

के लिए बुकिंग शुरू

शिवगढ़, रायबरेली। उत्तर प्रदेश

सरकार की कृषि यंत्रकरण योजना

अन्वर्तन किसानों को कृषि यंत्रों की

खरीद पर भारी अनुदान का लाभ देने

के लिए टोकन बुकिंग शुरू की जा रही

है। इसी दौरान विकास भवन में खोरात

की विस्तृत विज्ञापनमयी उत्तरवा

क्त किया गया। इसका अधिकारी अंतीम

ट्रॉफी प्रदान कर दिया गया।

एक्युप्रेशर चिकित्सा प्रदान करने

के लिए एक गोरत हाउस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल

रखयेंसेवक।

अमृत विचार

10 कुंतल विस्फोटक जब्त, एक गिरफ्तार

अमेठी, अमृत विचार। पुलिस को गुप्त सुनाम मिली कि रेखे क्रिसिंग दादर रोड के

पास गली में कपिल के मकान में अवैध रूप से पटाखों का भारी भड़काव दिया गया

है और बिक्री की जा रही है। सूनाम के आधार पर तकाल दिव्यांशी गई और कपिल

कुमार पुरुष जग्प्रसाद उम्र की 39 वर्ष निवारी वार्ड नं. 01, 200 पूर्व सुसाफिरखाना

की मौके से गिरफ्तार कर दिया गया। हालांकि, उसके तीन साथी अद्भुत गफकार

उर्फ चम्पल, क्यूम अंतीम और खलील अहमद फरार होने से स्कॉल रहे। गिरफ्तार

अधिकारी ने बैठक के बाद रोडवर

पर अधिकारी ने बैठक के बाद रोडवर&lt;/











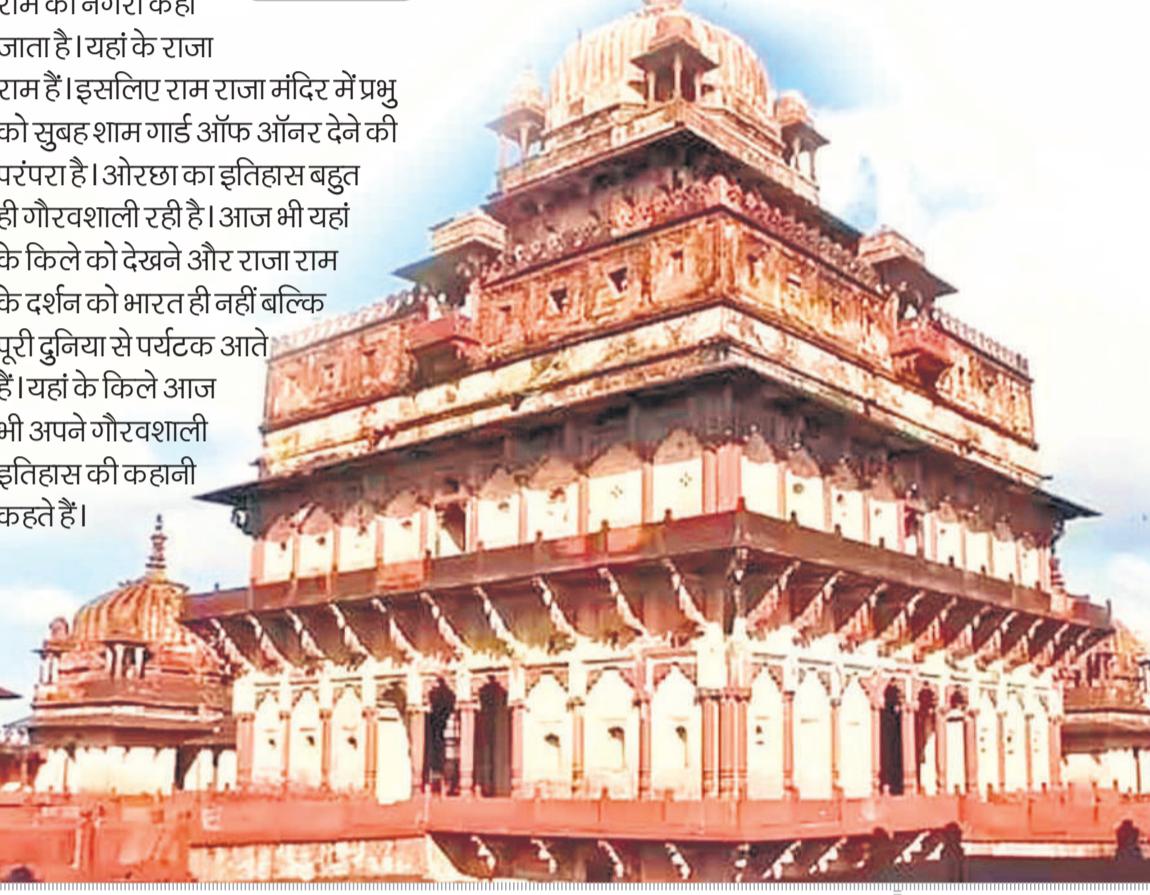
# रंगोली

## कला और सौंदर्य की मिसाल है ओरछा का किला

हर किले का अपना अलग रूप और सौंदर्य होता है। यह अपने अंदर सिर्फ इतिहास ही नहीं समेटे रहते हैं, बल्कि इसमें कला के भी दीदार होते हैं। इन कलाकृतियों का सौंदर्य ही अनेकों नहीं है, बल्कि इसका भी अपना इतिहास और परंपरा है। ओरछा का किला भी कुछ ऐसा ही है। अपने अंदर बहुत नायाब सौंदर्य समेट द्यु। मध्य प्रदेश के ओरछा को भगवान राम की नगरी कहा जाता है। यहां के राजा राम हैं। इसलिए राम राजा मंदिर में प्रभु को सुबह शाम गार्ड औंनर देने की परंपरा है। ओरछा का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रही है। आज भी यहां के किले को देखने और राजा राम के दर्शन को भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां के किले आज भी अपने गौरवशाली इतिहास की कहानी कहते हैं।

उमंग अग्रवाल  
कानपुर

ओरछा का किला भी कुछ ऐसा ही है। अपने अंदर बहुत नायाब सौंदर्य समेट द्यु। मध्य प्रदेश के ओरछा को भगवान राम की नगरी कहा जाता है। यहां के राजा राम हैं। इसलिए राम राजा मंदिर में प्रभु को सुबह शाम गार्ड औंनर देने की परंपरा है। ओरछा का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रही है। आज भी यहां के किले को देखने और राजा राम के दर्शन को भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से पर्यटक आते हैं। यहां के किले आज भी अपने गौरवशाली इतिहास की कहानी कहते हैं।



## कहानियों के देश में रंगकर्म

हम कहानियों का देश है। हम हमेशा से कहानियां सुनते-सुनाते आए हैं। दादी-नानी की कहानियां, या फिर गांव की चौपाल पर बैठकर बड़-बूढ़ों की कहानियां। कोई तमाशा आया तो हमने उसमें भी कहानी सुनी। हर बरस होने वाली रामलीलाओं में हमने राम-रावण की कहानी सुनी।

हमारे देश में बरसों से कहानियां कहीं और सूनी जा रही हैं। गली-माहलों, चौबारों और चौपालों से होती हुई ये कहानियां मंच तक आईं। संगीत, प्रकाश, वस्त्र-परिधान, उच्च अधिनयन और उल्काष्ट निर्देशों से जब ये कहानियां सजाई गईं तो जैसे जादू हो गया। लोगों के दिल-दिमाग पर जैसे कोई नशा तारी हो गया। कोई चमत्कार जैसे किसी को बांध लेता है, उसी तरह रंगमंच ने अपने दर्शकों, अपने चाहने वालों को बांध लिया। एक लंबी परंपरा चल पड़ी।

एक दीर में, जब सिनेमा उतना हावी नहीं था, लोगों के पास मनोरंजन के साधन के रूप में केवल रंगमंच या मंच पर प्रदर्शित होने वाली कलाएँ ही थीं। तब हम वे कहानियां कह रहे थे जो लोगों की कहानियां थीं। लोग उनसे जुड़ते थे। वे अपने आपको उन नाय-प्रदर्शनों में खाजते थे और खोज लेने पर उनसे जुड़कर हंसते थे, रोते थे, साथ में गाते थे।

समय बदला। दर्शक और निर्देशक, एक ही तरह के काम बनाकर और देखकर ऊबने लगे। तब जबरूत महसूस हुई एवं प्रयोगों की, जो समय की मांग को देखत हुए बड़े अधिनेताओं ने अपने दर्शकों को द्वारा राखा गया। एक सुलभ रुप के लिए जारी करने की इच्छा हुई।

तब हमे जबरूत हो गया। शहर, राज्य में यदा-कदा कुछ-न-कुछ कार्यक्रम होते रहते हैं, जिनका उद्देश्य या तो दिखावा होता है, या सरकारी मदद लेकर रंगकर्म के नाम पर किया जाए, या फिर आत्म केंद्रित होकर खुद ही खुद को प्रसन्न करने का आड़वार।

समय आ गया है कि हम इस जड़ता को तोड़े। रंगकर्म को नई ऊर्जा देने के लिए ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इसमें शामिल किया जाए। उन्हें बांगडोर दी जाए, मौका दिया जाए, स्थान और सम्मान दिया जाए। नई पीढ़ी न केवल नई दृष्टि लेकर आती है, बल्कि वह उन प्रश्नों के स्थायी समाधान की भी संभावना रखती है, जो बरसों से रंगकर्म को धोंगे हुए है। जैसे जीविका, संरचना और केंद्रीय वरदान की तरह प्रकाश हुए थे, धीरे-धीरे कब आप में बदल गए, यह न तो दर्शक थोंग पा रहे हैं, न दर्शक, लेकिन इनका असर दिख रहा है-नाटकों के दर्शकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। आँडिटरियों (नाय-प्रदर्शकों) में अब आपके दर्शकों के रूप में ज्यादातर या तो आलोचक दिखाई देंगे, या फिर रंगकर्मी और कुछ दर्शक इन मानकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

ललित कुमार  
रंगकर्मी

तब हमे जबरूत हो गया। शहर, राज्य में यदा-कदा कुछ-न-कुछ कार्यक्रम होते रहते हैं, जिनका उद्देश्य या तो दिखावा होता है, या सरकारी मदद लेकर रंगकर्म के नाम पर किया जाए, या फिर आत्म केंद्रित होकर खुद ही खुद को प्रसन्न करने का आड़वार।

तब मान समय में हम देखते हैं कि निर्देशकों की 'कुछ नया करने', 'कुछ अलग करने' की हासने के कहानियों को कहीं बहुत पीछे छोड़ दिया है। प्रयोग, जो रंगमंच के लिए वरदान की तरह प्रकाश हुए थे, धीरे-धीरे कब तक आप में बदल गए, यह न तो दर्शक थोंग पा रहे हैं, न दर्शक, लेकिन इनका असर दिख रहा है-नाटकों के दर्शकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

आँडिटरियों (नाय-प्रदर्शकों) में अब आपके दर्शकों के रूप में ज्यादातर या तो आलोचक दिखाई देंगे, या फिर रंगकर्मी और कुछ दर्शक इन मानकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। आँडिटरियों (नाय-प्रदर्शकों) में अब आपके दर्शकों के रूप में ज्यादातर या तो आलोचक दिखाई देंगे, या फिर रंगकर्मी और कुछ दर्शक इन मानकों की लगातार गिरती संख्या इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

आरती जिले में स्थित सतरुंगांडा महल पहाड़ पर स्थित है। यह महल राजा इंद्रसेन ने उस समय की मशहूर नृत्यांगना राय प्रवीण के सम्मान में एक महल की स्थापना कराई थी। इस महल को राय प्रवीण महल के नाम से लोग जानते हैं। यहां उकेरी गई नृत्य की मुद्राएँ यह दर्शाती हैं कि राजा नृत्य और संगीत को कितना बढ़वाएँ देते थे। बताते हैं कि शाहंशाह अकबर को जब भत्ता चला, तो उन्होंने राय प्रवीण और उनके गुरु केशवदास को दिल्ली स्थित महल बुलाया। जब राय प्रवीण ने देखा कि शाहंशाह अकबर को उनके

प्रति आसक्ति हो रही है, तो उन्होंने सांकेतिक रूप से उत्तर के जरिए उन्हें बताया कि मैं किसी और की प्रिय हूं। इसलिए उनका उपयोग करना आपकी गिरियाँ के अनुकूल नहीं होगा। इसके बाद शाहंशाह अकबर ने राय प्रवीण को पूरे सम्मान के साथ ओरछा भेज दिया था।

आरती जिले में स्थित सतरुंगांडा महल पहाड़ पर स्थित है। यह महल राजपूत वास्तुकला और मुगल वास्तुकला का प्रतिनिधित्व करता है। ओरछा के राजा बीर सिंह देव वार्षिक राजा थे। राजा बीर सिंह देव और मुगल वास्तुकला जहांगीर के लिए महल की स्थापना कराई थी। इस महल में जहांगीर भी रुके। इसकी कलाकारी और भव्यता देखते ही बनती है। बीर सिंह के बेटे जुझार सिंह से देखा गया था। जुझार सिंह से शाहजहां के बीच जब ममुताहा तो शाहजहां ने जुझार सिंह से देखा गया था। जुझार सिंह ने हरदौल की हत्या करा दी। राजा ने खोर में जहांगीर को खोर डालकर हरदौल को खिला दिया था। कहा जाता है कि हरदौल अपनी भाषी से बहुत प्रम करता था, लेकिन पति के कहने पर महाराजा ने अपने देवर को मौत की नींद सुला दिया।



16वीं शताब्दी में बसा ओरछा शहर ओरछा शहर की स्थापना 16वीं शताब्दी में हुई थी। बुदेला महाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने इस शहर की नींव 1501 में रखी थी। महाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने महल का निर्माण शुरू कराया था, लेकिन यह उनके जीवन काल में पूरा नहीं हो पाया। उनके देटे भारतीय देव ने राजा महल का निर्माण पूरा कराया था। उनके देटे भारतीय देव ने राजा महल का निर्माण से बाईं दुसरी दुर्दाना हुआ। यह दर्शाता है कि राजा महल का निर्माण से उनके देटे भारतीय देव की विश्वास की पर वे भी इसमें सफल नहीं हुए।

ओरछा के अंदर बुदेली चित्रकारी के असूत और नायाब नमूने देखने को मिलते हैं। कमरों में रामायण संवादित वित्र हर किसी को आकर्षित करते हैं।

यहां जहांगीर भी एक रात ठहरे ओरछा के किले पर मुगलों की छप स्पष्ट दिखाई दी है। 1605 से लेकर 1627 तक बीरसिंह देव यांके के राजा थे।

राजा बीर सिंह देव और मुगल वास्तुकला जहांगीर के लिए महल की स्थापना कराई थी। इस महल में जहांगीर भी रुके। इसकी कलाकारी और भव्यता देखते ही बनती है। बीर सिंह के बेटे जुझार सिंह से देखा गया था। जुझार सिंह से हरदौल की हत्या करा दी। राजा ने खोर में जमूताहा तो शाहजहां ने जुझार सिंह से हरदौल की हत्या करा दी। राजा ने खोर में जमूताहा तो शाहजहां ने जुझार सिंह से हरदौल की हत्या करा दी। जुझार सिंह ने शाहजहां के कहने पर ही अपनी पन्नी से हरदौल की हत्या करा दी। राजा ने खोर में जमूताहा तो शाहजहां के कहने पर ही अपनी भाषी से बहुत अचार लगाया था।

जुझार सिंह के बेटे जुझार सिंह से देखा गया था। जुझार सिंह से हरदौल की हत्या करा दी। जुझार सिंह ने शाहजहां के कहने पर ही अपनी भाषी से बहुत प्रम करता था, लेकिन पति के कहने पर महाराजा ने अपने देवर को मौत की नींद सुला दिया।





## ब्रिटेन ने वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी की परीक्षा की और कठिन

बढ़ते आवजन पर व्यापक कार्रवाई के लिए संसद में रखा गया प्रस्ताव

लंदन। ब्रिटेन की सरकार ने भारत सहित दूसरे दोगों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर बड़ी कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया।

ब्रिटेन का गृह विभाग अंग्रेजी भाषा की यह नई परीक्षा आयोजित की जाएगी। आठ जनवरी, 2026 से एक सूक्ष्म श्रमिकों के लिए आगे वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिवर्तनों का स्वायत्पन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का

## मारिया को नोबेल देने से नाराज वेनेजुएला ने नार्वे दूतावास पर ताला लगाया

नार्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास पहले ही किए बंद, देश की सरकार की नाक में दम करती रही हैं विपक्ष की नेता माचादो

काराकस, एजेंसी



देश की विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचादो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने से नाराज वेनेजुएला सरकार ने नार्वे के दूतावास पर ताला लगा दिया है। वेनेजुएला में नोबेल समिति के फैसले की ही कड़ी आलोचना का ज्वार थम नहीं हड़ता है। कैम्पनी जा रहा है कि वाहन का देश में योगदान देते हैं, लेकिन प्रवासियों का हमारी भाषा सीखें बिना यहां आना, हमारे राष्ट्रीय जीवन में योगदान देने में है और खुद भी तत्त्वापलट के असर्थ हाना अस्वीकार्य है।

चुक्के हैं। हाल के जनमत सर्वेक्षणों से पता चला है कि 90 प्रतिशत से अधिक वेनेजुएलावासी देश के खिलाफ किसी भी बाती ही हस्तक्षेप का विरोध करते हैं। वेनेजुएला के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को सांसाधनों के रणनीतिक पूनर्वितण का हवाला देते हुए नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावासों को बंद करने की घोषणा कर दी थी।

सामाजिक अधिकार के लिए काम करने वाले कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने माचादो को पुरस्कार देने की घोषणा के बाद दी थी।

देश में तत्त्वापलट की वकालत करती रही हैं मारिया माचादो 2023 के तत्त्वापलट में भाग लेकर वहां में आई थी। जब तत्त्वालीन राष्ट्रपति हायूगो शामों को कुछ समय के लिए सत्ता से बदल दिया गया था। 10 अक्टूबर 2014 की तारीख के बाद वेनेजुएला से उपर्युक्त समय हायूगो शामों लोग मारे गए थे। माचादो वेनेजुएला पर वेनेजुएला में सत्ता प्रलटने के लिए संघ सहयोग भी मांग रुकी है।

रुबियो ने किया था नोबेल पुरस्कार के लिए समर्थन

नोबेल पुरस्कार के लिए माचादो का समर्थन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रिभो ने किया था, जो वेनेजुएला के प्रति वर्तमान अमेरिकी नीतियों के काटर समर्थक रहे हैं। माचादो नोबेल मिलने के बाद इन्हें बार और ट्रॉप के समर्पित करने की घोषणा कर रुकी है। अमेरिका ने मादक पदार्थ विरोधी अधिकार के नाम पर कैरेबियन सागर में वेनेजुएला क्षेत्र के किनारे बड़े पैमाने पर संघर्ष तोड़ा कर रखी है। अमेरिकी सेना ने वित्तवाली से अब तक कम से कम चार नॉर्वे पर बमबारी की है, जिसमें कुल मिलाकर 20 से ज्यादा नागरिक मारे गए हैं।

## वर्ल्ड ब्रीफ

स्पेसएक्स ने स्टारशिप रॉकेट की 11वीं परीक्षण उड़ान शुरू की



वाणिज्यिक। स्पेसएक्स ने सोमवार को अपने एक और विशेष स्टारशिप रॉकेट की परीक्षण उड़ान पर भेजा, जो पिछली बार की तरह इस बार भी सफलतापूर्वक दुर्निया के अधे हिस्से में पहुंचा और साथ ही नक्ती उपग्रहों को भी प्रक्षेपित किया। स्टारशिप अब तक का सारा सेबड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है और यह टेक्सास के दक्षिणी रिप्रेस से योगदान को गर्वित के साथ डूँगा। उड़ान के बाद इसने बूरुआर अलग ही गया और यह भैंसियों की खाड़ी में योगदान बदरीके से पहुंचा। अंतरिक्ष यान दिव्य दहान सागर में उत्तरने से पहले अंतरिक्ष में उत्तरी रेखा पर स्थानित है। यहां पर वापसी पर स्थानित है स्टारशिप।

क्या दिन है? 'यह नई स्टारशिप की 11वीं परीक्षण उड़ान थी।

## वीन कर रहा है अपने चौथे विमानवाहक पोत का पोत का निर्माण

वीनिंग। वीन चौथे विमानवाहक पोत का निर्माण कर रहा है और साथ ही सूप्रीय परीक्षण पूरा होने के बाद 'फुजियान' नामक तीसरे विमानवाहक पोत का पोत का साथ में शामिल करने की तैयारी में है। हांगकांग आधारित 'साउथ चाइना मॉनिंग पोर्ट' ने मंगलवार को विमानवाहक पोत के उपग्रह से निपाए गए विस्तृत करने पर भेजा, जो पिछली बार की तरह इस बार भी सफलतापूर्वक दुर्निया के अधे हिस्से में पहुंचा और साथ ही नक्ती उपग्रहों को भी प्रक्षेपित किया। स्टारशिप अब तक का सारा सेबड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है और यह टेक्सास के दक्षिणी रिप्रेस से योगदान को गर्वित के साथ डूँगा।

वीन कर रहा है अपने चौथे विमानवाहक पोत का पोत का निर्माण

वीनिंग। वीन चौथे विमानवाहक पोत का पोत का निर्माण कर रहा है और साथ ही सूप्रीय परीक्षण पूरा होने के बाद 'फुजियान'

नामक तीसरे विमानवाहक पोत का पोत का साथ में शामिल करने की तैयारी में है। हांगकांग आधारित 'साउथ चाइना मॉनिंग पोर्ट' ने मंगलवार को विमानवाहक पोत के उपग्रह से निपाए गए विस्तृत करने पर भेजा, जो पिछली बार की तरह इस बार भी सफलतापूर्वक दुर्निया के अधे हिस्से में पहुंचा और साथ ही नक्ती उपग्रहों को भी प्रक्षेपित किया। स्टारशिप अब तक का सारा सेबड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है और यह टेक्सास के दक्षिणी रिप्रेस से योगदान को गर्वित के साथ डूँगा।

## अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी

## संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन में बोले सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली, एजेंसी

• कहा- 56 से ज्यादा संघर्षों में उलझे हैं 90 देश, संवेदनशील गोड पर खड़ी है दुनिया

त्वरित और एकीकृत प्रतिक्रियाओं की मांग करती हैं जो केवल शांति रक्षक ही मिलकर कर सकते हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि वे उपर्युक्त स्थानों के देशों के संघर्षों में संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों को विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ताओं के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है।

सेना प्रमुख ने कहा, विश्वनारायणी की विशेष स्टारशिप रॉकेट की विशेषता एवं विशेष विकासी विशेषता के साथ डूँगा। योगदानकर्ता देशों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

सेना प्रमुख ने कहा, विश्वनारायणी की विशेष स्टारशिप रॉकेट की विशेषता एवं विशेष विकासी विशेषता के साथ डूँगा। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस दिल्ली के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस दिल्ली के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस दिल्ली के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस दिल्ली के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस दिल्ली के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों की विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस दिल्ली के लिए एक जुटा वैश्विक दृष्टिकोण जरूरी है। योगदानकर्ता देशों के संघर्षों के सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र के कर्तव्यों

